अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) तत्त्वद्वय्यां नवतत्त्वावतारः।

(ख) शुभोऽशुभश्च।

(ग) कालावधारणं स्थितिः।

(घ) परिणामविशेषः करणम्।

(ड़) ते चानन्ता अपुनरावृत्तयश्च।

(च) अप्रकम्पोऽयोगः

प्र. 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(क) गुप्ति और समिति में क्या अंतर है?

(ख) किस आत्मा को सिद्ध कहा जाता है? उसके एकार्थवाची शब्द लिखें।

(ग) तत्त्वों का स्वरूप समझाने के लिए श्री भिक्षु स्वामी ने जो तालाब का उदाहरण बतलाया है उसमें से आश्रव व निर्जरा लिखें?

(घ) अनुप्रेक्षा और भावना को स्पष्ट करें?

(ड़) सम्यक् चारित्र किसे कहते हैं? इसमें किसका ग्रहण किया गया है?

(च) किस संवर में प्रत्याख्यान की अपेक्षा नहीं है? क्यों?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 10

(क) शुक्लध्यान किसे कहते हैं? उनके भेदों का वर्णन करें।

(ख) योग की परिभाषा लिखते हुए स्पष्ट करें कि सभी आश्रव कर्मबंध के हेतु हैं, किन्तु कर्म पुद्गलों का आकर्षण केवल योग के द्वारा होता है?

(ग) स्पष्ट करें कि पुण्य-धर्म का अविनाभावी है?

गमा का थोकड़ा–70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 6

(क) असंज्ञी मनुष्य में उत्कृष्ट भव संख्या 8 किस अपेक्षा से है?

(ख) किन-किन गमकों से स्थावरकाय असंख्यात उत्पन्न होते हैं?

(ग) गमा का पूरा थोकड़ा किसके आधार पर चलता है?

(घ) स्थावरकाय की अवगाहना अंगुल का असंख्यातवां भाग किस अपेक्षा से है?

(ड़) किस दण्डक तक के जीव पर्याप्त और अपर्याप्त दोनों प्रकार का मरण कर सकते हैं?

(च) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में देवों की उत्पत्ति में 'औघिक से उत्कृष्ट' इस गमक का सम्पूर्णतया स्वतंत्र कथन क्यों नहीं किया गया है?

(छ) तीन विकलेन्द्रिय में वनस्पति के उत्पत्ति में औघिक व उत्कृष्ट गमक में चार लेश्या तथा जघन्य गमक में तीन लेश्या का कथन किस अपेक्षा से है?

प्र. 5 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर दिजिए– 10

(क) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में पांचवीं नरक के नैरयिक की उत्पत्ति में लेश्या द्वार अपेक्षा सहित लिखें।

(ख) चार स्थावर काय में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य का ज्ञान-अज्ञान द्वार अपेक्षा सहित लिखें?

(ग) यंत्र 92 का आयु द्वार व अध्यवसाय द्वार लिखें।

(घ) तीन विकलेन्द्रिय की उत्कृष्ट अवगाहना कितनी तथा किस अपेक्षा से है?

(ड़) यंत्र 89 का नाणत्ता लिखें।

(च) अनुबंध किसे कहते हैं?

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दिजिए– 54

(क) अपकाय और तेजस्काय में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में प्रथम तीन गमक का कायसंवेध द्वार लिखें।

(ख) यंत्र संख्या 90 का उपपात द्वार, अवगाहना द्वार व नाणत्ता लिखें?

(ग) यंत्र 39 (पृथ्वीकाय के नौ निकाय) का आयु द्वार व काय-संवेध द्वार का केवल उत्कृष्ट काल लिखें।

(घ) चार स्थावर में द्वीन्द्रिय की उत्पत्ति में अवगाहना द्वार से योग द्वार तक लिखें।

(ड़) यंत्र 80 (तिर्यंच पंचेन्द्रिय में सातवीं नरक) में भव द्वार व कायसंवेध द्वार लिखें।

(च) बीस द्वारों के नाम लिखें तथा काय-संवेध द्वार को परिभाषित करें?

(छ) चार स्थावर में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति का दृष्टि द्वार, ज्ञान-अज्ञान द्वार, योगद्वार व नाणत्ता लिखें?

(ज) चतुरिन्द्रिय में वनस्पतिकाय की उत्पत्ति में भव व कायसंवेध द्वार लिखें।

(झ) यंत्र 53 (चार स्थावर में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच) में ज्ञान-अज्ञान द्वार, लेश्या द्वार, समुद्घात द्वार व नाणत्ता लिखें।

(ञ) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में कायसंवेध द्वार लिखें।

(ट) यंत्र 103 (तिर्यंच पंचेन्द्रिय में सातवें शुक्र देवलोक) का अवगाहना द्वार, लेश्याद्वार, दृष्टि द्वार, वेद द्वार, आयु द्वार लिखें।